

لَا يُحِبُّ اللَّهُ الْجَهْرَ بِالسُّوِّ مِنَ الْقَوْلِ إِلَّا مَنْ ظَلَمَ وَكَانَ

अल्लाह पसन्द नहीं इरमाता अलानिया बढगुफ्तारी, मगर जो मज़्लूम हो, और

اللَّهُ سَبِيحًا عَلِيمًا ۱۳۸ ۱۳۸) إِنَّ تَبْدُ وَآخِيْرًا أَوْ تُخْفَوُهٗ أَوْ تَعْفُوْا عَنْ

अल्लाह सुननेवाला धल्लमवाला है (१४८) अगर तुम दिभा कर नेकी करो, या छुपा कर, या मुआफ़ कर दो किसीकी

سُوِّ فَإِنَّ اللَّهَ كَانَ عَفُوًّا قَدِيْرًا ۱۳۹) ۱ॳ९) إِنَّ الَّذِينَ يَكْفُرُونَ

बढ ज़बानी, तो भेशक अल्लाह मुआफ़ इरमानेवाला कुदरतवाला है (१४८) भेशक जो ध-कार करें

بِاللَّهِ وَرُسُلِهِ وَيُرِيدُونَ أَنْ يُفَرِّقُوا بَيْنَ اللَّهِ وَرُسُلِهِ وَ

अल्लाह और उसको रसूलोंका, और याहें कि माननेमें धस्तियाज रभें अल्लाह और उसके रसूलोंमें, और

يَقُولُونَ لَوْ مِنْ لَدُنِّهِمْ يُغْفَرُونَ وَيُرِيدُونَ أَنْ يُتَّخَذَ وَ

कहें कि हम भा'जको मानेंगे, और भा'जका ध-कार करेंगे, और याहें कि बना दें

بَيْنَ ذَلِكَ سَبِيْلًا ۱ॴ०) ॱॴ०) وَلِلَّذِينَ كَفَرُوا حَقًّا وَعَقْدًا لِلْكَافِرِيْنَ

दरमियानी रास्ता (१५०) वोही यकीनन काइर हैं. और हमने तैयार कर रभा है काइरोंके लिये

عَدَابًا مُّهِينًا ۱ॴ१) ॱॴ१) وَالَّذِينَ آمَنُوا بِاللَّهِ وَرُسُلِهِ وَلَمْ يُفَرِّقُوا

धिल्लतवाला अजाब (१५१) और जो मान गये अल्लाह और उसके रसूलोंको, और माननेमें उन

بَيْنَ أَحَدٍ مِّنْهُمْ أَوْلِيَّكَ سَوْفَ يُؤْتِيهِمْ أَجْرَهُمْ وَكَانَ اللَّهُ

में कोध धस्तियाज न रभा, वोही लोग हैं कि जल्द देगा उनको उनका अज. और अल्लाह

عَفُوًّا رَّحِيْمًا ۱ॴ२) ॱॴ२) يَسْأَلُكَ أَهْلُ الْكِتَابِ أَنْ تُنزِلَ عَلَيْهِمْ كِتَابًا

गइरूरहीमहें (१५२) तुमसे इरमाधश करते हैं अहल किताब, कि उतार लाओ लिपी लिभाध किताब

مِّنَ السَّمَاءِ فَقَدْ سَأَلُوا مُوسَىٰ أَكْبَرَ مِنْ ذَلِكَ فَقَالُوا أَرَأَيْتَ

आस्मानसे, तो उन लोगोंने इरमाधश की थी मूसासे धससे बढ कर, युनाच्ये कडा था कि दिभा दो हमें

اللَّهُ جَهْرَةً فَأَخَذَتْهُمُ الصَّعِقَةُ بِظُلْمِهِمْ ثُمَّ اتَّخَذُوا الْعِجْلَ

अल्लाहको भुल्लम भुल्ला, तो पकड लिया उनको कडकने, उनके जुल्लमी वजहसे. इर उन्होंने बना लिया बछडा,

مِّنْ بَعْدِ مَا جَاءَتْهُمْ الْبَيِّنَاتُ فَعَفَوْنَا عَنْ ذَلِكَ وَأَتَيْنَا

भावजूद यह कि आ चुकी थी उनके पास शैशन आयतें, तो हमने उसको मुआफ़ इरमा दिया. और दे दिया

مُوسَىٰ سُلْطَانًا مُّبِينًا ۝۱۵۶ وَرَفَعْنَا قَوْمَهُمُ الطُّورَ بَيْنَ يَدَيْهِمْ

मूसाको भुला हुआ गल्बा (१५३) और उठावा दिया उनके सरो पर कोड़े तूर, उनसे अहद लेनेके लिये.

وَقُلْنَا لَهُمْ ادْخُلُوا الْبَابَ سُجَّدًا وَقُلْنَا لَهُمْ لَا تَعْدُوا فِي

और हमने उन्हें हुकम दिया कि दरवाजेमें दामिल हो सज्जदा करते हूँ, और उन्हें हुकम दिया कि सनीयरके बारेमें

السَّبْتِ وَأَخَذْنَا مِنْهُمْ مِيثَاقًا غَلِيظًا ۝۱۵۷ فَمَا نَقِضَهُمْ

कानून न तोड़ो, और ले लिया हमने उनसे गाढा अहद (१५४) फिर अपने अहदकी तोड़ देने

مِيثَاقَهُمْ وَكُفَرَهُمْ بِآيَاتِ اللَّهِ وَقَتْلِهِمُ الْأَنْبِيَاءَ بِغَيْرِ حَقِّ

की वजहसे, और अल्लाहकी आयतोंसे ईन्कार कर देने, और अम्बियाको नाहक मार डालने,

وَقَوْلِهِمْ قُلُوبُنَا غُلْفٌ ۚ بَلْ طَبَعَ اللَّهُ عَلَيْهَا بِكُفْرِهِمْ فَلَا

और उस बकनेकी वजहसे कि हमारे दिल गिलाइमें हैं, अल्कि छाप लगा दी अल्लाहने उनके दिलों पर उनके कुक्री वजह

يُؤْمِنُونَ إِلَّا قَلِيلًا ۝۱۵۸ وَكُفَرَهُمْ وَعَلَىٰ قَرْيَةٍ بُهْتَانًا

से, तो यह नहीं मानेंगे मगर थोड़े (१५५) और उनके कुक्री वजहसे और उनकी बकवाससे मरयम पर बडे

عَظِيمًا ۝۱۵۹ وَقَوْلِهِمْ إِنَّا قَتَلْنَا الْمَسِيحَ عِيسَىٰ ابْنَ مَرْيَمَ

बोहतानकी (१५६) और उनके इस डींगकी वजहसे, कि हमने कत्ल कर डाला मसीह ईसा होने मरयम,

رَسُولَ اللَّهِ ۚ وَمَا قَتَلُوهُ وَمَا صَلَبُوهُ وَلَكِنْ شُبِّهَ لَهُمْ وَإِنَّ

अल्लाहके रसूलको. डालांकि न कत्ल किया, न उन्हें सूली दी. लेकिन अक मिलता जुलता बना दिया गया उनके लिये, और बेशक

الَّذِينَ اٰخْتَلَفُوا فِيهِ لَفِي شَكٍّ مِّنْهُ مَا لَهُمْ بِهِ مِنْ عِلْمٍ

जिन्होंने उनके बारेमें छिन्तिलाइ किया, तो वोह शक ही शकमें हैं. उन्हें इसका कुछ धर्म नहीं,

إِلَّا اتِّبَاعَ الظُّلْمِ ۚ وَمَا قَتَلُوهُ يَقِينًا ۝۱۶۰ بَلْ رَفَعَهُ اللَّهُ إِلَيْهِ ۖ

सिवा गुमानसे काम लेनेके. डालांकि नहीं कत्ल किया इसको यकीनन (१५७) अल्कि उठा लिया उनको अल्लाहने अपनी तरफ.

وَكَانَ اللَّهُ عَزِيزًا حَكِيمًا ۝۱۶۱ وَإِنْ مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ إِلَّا

और अल्लाह गल्बेवाला हिकमतवाला है (१५८) और कोई किताबी नहीं, मगर

لَيُؤْمِنَنَّ بِهِ قَبْلَ مَوْتِهِ ۚ وَيَوْمَ الْقِيَامَةِ يَكُونُ عَلَيْهِمْ شَهِيدًا ۝۱۶۲

ईमान लायेगा उन पर मरनेसे पहले. और कयामतके दिन वोह उन पर गवाह होंगे (१५९)

فَيُظْلِمُ مِنَ الَّذِينَ هَادُوا وَاحْرَمْنَا عَلَيْهِمْ طَيْبَاتٍ أُحِلَّتْ لَهُمْ

तो उन यहूदियोंके सुल्मकी वजहसे, हराम करमा दिया हमने पाकीजा चीजें जो हलाल थीं उनको,

وَبَصَدَّاهُمْ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ كَثِيرًا ۝۱۴۰ وَأَخَذَهُمُ الرِّبَا وَقَدْ

और उनके रोक देनेकी वजहसे अस्वाहकी राहसे बहुतोंको (१६०) और उनके सूद लेनेकी वजहसे, जिस

ثُهُوَاعْنَهُ وَآكَلِهِمْ أَمْوَالَ النَّاسِ بِالْبَاطِلِ وَأَعْتَدْنَا

से वोह बना कर दिये गये थे, और उनके भानेकी वजहसे लोगोंका माल नाहक. और हमने तैयार कर छोडा है

لِلْكَافِرِينَ مِنْهُمْ عَذَابًا أَلِيمًا ۝۱۴۱ لَكِنِ الرَّاسِخُونَ فِي الْعِلْمِ

उन मेंसे कुछ करनेवालोंके लिये दुःख देनेवाला अजाब (१६१) लेकिन जो उनमें ठोस हैं ईल्ममें,

مِنْهُمْ وَالْمُؤْمِنُونَ يُؤْمِنُونَ بِمَا أُنزِلَ إِلَيْكَ وَمَا أُنزِلَ مِنْ

और ईमानदार हैं, वोह मानते हैं जो उतारा गया तुम पर, और जो नाजिल किया गया

قَبْلِكَ وَالْمُقِيمِينَ الصَّلَاةَ وَالْمُؤْتُونَ الزَّكَاةَ وَالْمُؤْمِنُونَ

तुम्हारे पढले और नमाजको कांरम रभनेवाले, और जकात देनेवाले, और माननेवाले

بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ أُولَئِكَ سَنُؤْتِيهِمْ أَجْرًا عَظِيمًا ۝۱۴۲ إِنَّكَ

अस्वाहको, और पिछले दिनको. वोह हैं कि बहुत जल्द देंगे हम उनको बडा अज (१६२) बेशक हमने

أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ كَمَا أَوْحَيْنَا إِلَى نُوحٍ وَالنَّبِيِّينَ مِنْ قَبْلِهِ ۗ وَأَوْحَيْنَا

वही करमाई तुम्हारी तरफ जिस तरफ वही करमाई थी, नूह और उनके भा'दके अम्बियाकी तरफ, और

إِلَى إِبْرَاهِيمَ وَإِسْحَاقَ وَإِسْحَاقَ وَإِسْحَاقَ وَإِسْحَاقَ وَإِسْحَاقَ وَإِسْحَاقَ

वहीकी थी हमने ईब्राहीम व ईस्माईल व ईस्हाक व या'कूब व आवे या'कूब

وَعِيسَى وَإِيُوبَ وَيُوسُفَ وَهَارُونَ وَسُلَيْمَانَ وَآتَيْنَا دَاوُدَ

व ईसा व अयूब व यूसुस व हारन व सुलैमानकी तरफ, और दिया हमने दावूदको

زَبُورًا ۝۱۴۳ وَرُسُلًا قَدْ قَصَصْنَاهُمْ عَلَيْكَ مِنْ قَبْلُ وَرُسُلًا لَمْ

जभूर (१६३) और यन्द रसूलोंको जिन्हें हम बता चुके हैं पढले ही, और यन्द रसूलोंको

نَقَصْنَاهُمْ عَلَيْكَ وَكَلَّمَ اللَّهُ مُوسَى تَكْلِيمًا ۝۱۴۴ رُسُلًا مُبَشِّرِينَ

कि अभी नहीं बयान करमाया तुमसे, और अपना कलीम पास बनाया अस्वाहने मूसाको (१६४) रसूल बशरत देनेवाले

وَمُنذِرِينَ لئَلَّا يَكُونَ لِلنَّاسِ عَلَى اللَّهِ حُجَّةٌ بَعْدَ الرُّسُلِ ۗ

और डरानेवाले, ताकि लोगोंको अल्लाहसे बोलनेकी जगह न रह जाये, उन रसूलोंके आनेके बाद.

وَكَانَ اللَّهُ عَزِيزًا حَكِيمًا ﴿۱۴۵﴾ لَكِنَّ اللَّهَ يَشْهَدُ بِمَا أَنْزَلَ إِلَيْكَ

और अल्लाह गल्बेवाला छिक्मतवाला है (१४५) लेकिन अल्लाह गवाह है जो तुम पर उतारा,

أَنْزَلَهُ بِعِلْمِهِ وَالْمَلَكِ الْمَشْهُودِ ۗ وَكَفَى بِاللَّهِ شَهِيدًا ﴿۱۴۶﴾

उसको अपने धर्मसे उतारा, और इरिश्ते गवाह हैं. और अल्लाह काफी गवाह है (१४६)

إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا وَاصَدُّوا عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ قَدْ ضَلُّوا ضَلَالًا

बेशक जिन्होंने कुंफ़ किया और अल्लाहके रास्तेसे रोका, तो वोह बड़ोत दूर भटक गये

بَعِيدًا ﴿۱۴۷﴾ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا وَظَلَمُوا لَمْ يَكُنِ اللَّهُ لِيُغْفِرَ لَهُمْ

(१४७) बेशक जिन्होंने कुंफ़ किया और जुल्म किया, अल्लाह उनको न भुश्गे,

وَلَا لِيَهْدِيَهُمْ طَرِيقًا ﴿۱۴۸﴾ إِلَّا طَرِيقَ جَهَنَّمَ خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا

और न राह देगा (१४८) सिवा राह जहन्नमके, हमेशा हमेशा उसमें रहेंगे.

وَكَانَ ذَلِكَ عَلَى اللَّهِ يَسِيرًا ﴿۱۴۹﴾ يَا أَيُّهَا النَّاسُ قَدْ جَاءَكُمْ

और यह अल्लाहके लिये आसान है (१४९) अै लोगो ! बेशक आ गया तुममें

الرَّسُولُ بِالْحَقِّ مِنْ رَبِّكُمْ فَأَمِنُوا خَيْرًا لَكُمْ وَإِنْ تَكْفُرُوا

रसूल तुम्हारे रबकी तरफसे उक लेकर, तो मान जाओ यही तुम्हारे लिये बेहतर है. और अगर ईन्कार कर दोगे

فَرَأَى اللَّهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۗ وَكَانَ اللَّهُ عَلِيمًا حَكِيمًا ﴿۱۵۰﴾

तो बेशक अल्लाह हीका है जो कुछ आस्मानों और जमीनमें है. और अल्लाह धर्मवाला छिक्मतवाला है (१५०)

يَا أَهْلَ الْكِتَابِ لَا تَغْلُوا فِي دِينِكُمْ وَلَا تَقُولُوا عَلَى اللَّهِ إِلَّا

अै अहले किताब ! उदसे न घटो बाढो अपने धीनमें, और मत बोवो अल्लाह पर, मगर

الْحَقَّ ۗ إِنَّمَا الْمَسِيحُ عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ رَسُولُ اللَّهِ وَكَلِمَتُهُ

हीक. बात अस धतनी है, “कि मसीह ईसा धने मरयम, अल्लाहके रसूल और उसके कलिमे हैं,”

الْقَوْلَ إِلَىٰ مَرْيَمَ وَرُوحٌ مِنْهُ ۗ فَأَمِنُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ ۗ وَلَا تَقُولُوا

जिनको मरयमकी तरफ भेजा और उसकी तरफसे उह है, तो मान जाओ अल्लाहको और उसके रसूलोंको... और मत कडा करो

ثَلَاثَةٌ أَنْتُمْ وَخَيْرٌ لَّكُمْ إِنَّمَا اللَّهُ إِلَهُ وَاحِدٌ سُبْحَانَهُ أَنْ

तीन. आज आ जाओ यही तुम्हारे लिये बेहतर है. अल्लाह ही बस एक मा'बूद है. पाक है कि उसके

يَكُونُ لَهُ وَلَدٌ وَلَدٌ لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَكَفَى

कोई औलाद हो... उसीका है जो कुछ आस्मानोंमें और जो कुछ जमीनमें है. और अल्लाह काई

بِاللَّهِ وَكَيْلًا ۝ لَنْ يَسْتَنْكِفَ الْمَسِيحُ أَنْ يَكُونَ عَبْدًا لِلَّهِ وَ

कारसाज है (१७१) दरगिज बुरा न मानेंगे मसीह उसको, कि बना हूँ अल्लाहके और

لَا الْمَلِكَةُ الْمُقَرَّبُونَ ۝ وَمَنْ يَسْتَنْكِفْ عَنْ عِبَادَتِهِ وَ

न भरगुजीदा इरिशते. और जो बुरा माने उसके बना होनेसे, और

يَسْتَكْبِرْ فَسَيَحْشُرُهُمْ إِلَيْهِ جَمِيعًا ۝ فَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا وَ

गुजर करें, तो बखीत जल्द वोड हांक कर लायेगा उन सबको अपनी तरफ (१७२) तो जो ईमान ला चुके और

عَمِلُوا الصَّالِحَاتِ فَيُوَفِّيهِمْ أُجُورَهُمْ وَيَزِيدُهُمْ مِنْ فَضْلِهِ

नेक काम कर लिये, तो पूरा पूरा देगा उन्हें उनका अज, और ज़्यादा भी देगा अपने इज़लसे.

وَأَمَّا الَّذِينَ اسْتَنْكَفُوا وَاسْتَكْبَرُوا فَيَعَذِّبُهُمْ عَذَابًا أَلِيمًا ۝

और लेकिन जिन्होंने बुरा माना और गुजर किया, तो उनको अजाब देगा दुभ देनेवाला अजाब...

وَلَا يَجِدُونَ لَهُمْ مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلِيًّا وَلَا نَصِيرًا ۝ يَا أَيُّهَا

और न पायेंगे अपने कामका जिन्हें बना रभा है अल्लाहको छोड कर यावरो मददगार (१७३) ओ ईन्सान !

النَّاسُ قَدْ جَاءَكُمْ بُرْهَانٌ مِنْ رَبِّكُمْ وَأَنْزَلْنَا إِلَيْكُمْ نُورًا

बेशक आ गल तुम्हारे पास दलील, तुम्हारे परवरदिगारकी तरफसे, और उतार दिया हमने तुम्हारी तरफ रौशन

مُبِينًا ۝ فَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا بِاللَّهِ وَاعْتَصَمُوا بِهِ فَسَيُدْخِلُهُمْ

नूर (१७४) तो जिन्होंने मान लिया अल्लाहको, और थाम लिया उसको, तो बखीत जल्द दाखिल इरमायेगा उन्हें

فِي رَحْمَةٍ مِّنْهُ وَفَضْلٍ ۝ وَيَهْدِيهِمْ إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمًا ۝

अपनी रहमत व इज़लमें, और छिदायत इरमायेगा सीधी राडकी (१७५)

يَسْتَفْتُونَكَ ۝ قُلِ اللَّهُ يُفْتِيكُمْ فِي الْكَلَّةِ ۝ إِنِ امْرُؤٌ هَلَكَ

तुमसे दरयाइत करते हैं, केड हो कि अल्लाह बताये देता है यतीम व यसीर ला वलदके बारेमें, कि अगर कोई मर गया

لَيْسَ لَهُ وَلَدٌ وَلَا أُخْتُ فَلَهَا نِصْفُ مَا تَرَكَ وَهُوَ يَرِثُهَا

લા વલદ और उसकी अंक बहन है, तो बहनका निस्फ हिस्सा तरकेमें है. और वोह वारिष होगी बहनका

إِنْ لَمْ يَكُنْ لَهَا وَلَدٌ فَإِنْ كَانَتَا اثْنَتَيْنِ فَلَهُمَا الثُّلُثَانِ

अगर बहन भी ला वलद हो. फिर अगर बहन दो हो, तो दोनोंका एक दो तिहाई है

مِمَّا تَرَكَ وَإِنْ كَانُوا إِخْوَةً رِجَالًا وَنِسَاءً فَلِلَّذَكَرِ مِثْلَ حَظِّ

तरकेसे. और अगर कर्ष भाई बहन मर्द व औरत सब हो, तो मर्दके लिये दो औरतके हिस्से

الْأُنثَىٰ يَبِينُ اللَّهُ لَكُمْ أَنْ تَضِلُّوا وَاللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ

के बराबर है. साफ़ साफ़ बता दिये देता है अल्लाह तुम्हें, कि कहीं गुमराह हो जाओ. और अल्लाह हर ईल्मका जाननेवाला है (१७६)

سُورَةُ الْمَائِدَةِ ۝ مَدَنِيَّةٌ ۝ ۱۱۲ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۱۳۰ ۱۴

सूरअे माईदा मदनिय्या

नामसे अल्लाहके बजा महरबान बपशनेवाला

आयात १२० रूकूअ १६

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا بِالْعُقُودِ ۚ أَحَلَّتْ لَكُمْ بِهِيَسَةِ

अै वोह जो ईमान ला युके ! अपने अहद पूरे करो.. हलाव कर दिये गअे तुम्हारे लिये यौपाअे,

الْأَنْعَامِ إِلَّا مَا يُتْلَىٰ عَلَيْكُمْ غَيْرِ مُحْلِلِ الصَّيِّدِ وَأَنْتُمْ حُرْمٌ

मगर जो तुमको आईन्दा बताया जाअेगा हलाव न जानते हूअे पुरकीके शिकारकी, जबकि तुम अेहराममें हो.

إِنَّ اللَّهَ يَحْكُمُ مَا يُرِيدُ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَحْلُوا شَعَائِرَ

भेशक अल्लाह जो याहता है हुकम देता है (१) अै वोह जो ईमान ला युके ! न भेहुर्मती करो शआई-

اللَّهِ وَلَا الشَّهْرَ الْحَرَامَ وَلَا الْهَدْيَ وَلَا الْقَلَائِدَ وَلَا آفِينَ

रुल्लाहकी, और न मोहतरम महीनोंकी, और न कुरबानीकी और न कलादावाले कुरबानीके जानवरोंकी, और न आलिमीने

الْبَيْتِ الْحَرَامِ يَبْتَغُونَ فَضْلًا مِّن رَّبِّهِمْ وَرِضْوَانًا ۗ وَ

भैतुल्लाहकी, जो याहते हैं अपने परवरदिगारका कर्ज़ल व पुशी. और

إِذَا حَلَلْتُمْ فَاصْطَادُوا ۗ وَلَا يَجْرِمَنَّكُمْ شَنَاٰنُ قَوْمِ ۙ

जब अेहराम भोव दिया तो शिकार भेलना हो तो भेलो. और न उभारे तुमको किसी कौमकी अदावत कि

صَدَدٌ ۙ وَكُمُ ۙ عَنِ السَّجْدِ الْحَرَامِ ۙ أَنْ تَعْتَدُوا ۙ وَتَعَاوَنُوا عَلَىٰ

रोक दिया था तुमको मस्जिदे हराभसे, ईस पर कि तुम लियाहती करो... भाडम मर्द करते रहो

الَّذِينَ وَالْتَقُوا وَلَا تَعَاوَنُوا عَلَى الْإِثْمِ وَالْعُدْوَانِ وَاتَّقُوا

नेकी और तक्वा पर. और न मदद करो गुनाह और जियादती पर. और अल्लाहको

اللَّهُ إِنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ ۝ حُرِّمَتْ عَلَيْكَ الْمَيْتَةُ وَ

उरो. बेशक अल्लाह अजाब करनेमें सप्त है (२) डराम कर दिया गया तुम पर मुर्दा और

الذَّمُّ وَلَحْمُ الْخَنزِيرِ وَمَا أَهَلَ لِغَيْرِ اللَّهِ بِهِ وَالْمُنْخَنِقَةُ وَ

भून और सुव्वरका गोशत, और जिस पर जब्दके वक्त नामजद किया गया गैरे भुदा, और जटका, और

الْمَوْتُودَةُ وَالْمُتَرَدِّيَةُ وَالنَّطِيحَةُ وَمَا أَكَلَ السَّبْعُ إِلَّا مَا

थोट भाया, और गिरा पडा, और सींगमारा, और जिसको किसी दरिन्देने भा लिया हो, मगर उनमें से जिसको तुमने मरनेसे

ذَكَيْتُمْ وَمَا ذُبِحَ عَلَى النُّصُبِ وَأَنْ تَسْتَقْسِمُوا بِالْأَنْزِلِ ۝

पडले जब्द कर लिया.. और जो जब्द किया गया बुतोंके अडों पर, और पांसोंके जरीअे बांटना,

ذِكْرِكُمْ فَسُقِ الْيَوْمَ يَسِ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ دِينِكُمْ فَلَا

यह गुनाह है. आज नाउम्मीद हो गये जिन्होंने ईन्कार कर दिया है तुम्हारे दीनका, तो

تَخْشَوْهُمْ وَاخْشَوْنَ ۝ الْيَوْمَ كَمَلْتُ لَكُمْ دِينَكُمْ وَأَتَمَمْتُ عَلَيْكُمْ

उनको मत डरो, मुझे डरो. आज मैंने कामिल कर दिया तुम्हारे लिये तुम्हारे दीनको, और तमाम कर दी तुम पर

نِعْمَتِي وَرَضِيْتُ لَكُمْ الْإِسْلَامَ دِينًا ۝ فَمَنْ اضْطُرَّ فِي مَخْمَصَةٍ

अपनी ने'मत, और पसन्द इरमा लिया तुम्हारे लिये दीने ईस्लाम. तो जो बेकाबू हो गया तूक प्यासमें डराम भाने पर,

غَيْرِ مُتَجَانِفٍ لِإِثْمٍ فَإِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ يَسْأَلُونَكَ مَاذَا

बगैर मैलाने गुनाहके, तो बेशक अल्लाह गहूररहीम है (३) तुमसे पूछते हैं कि उनके

أَحَلَّ لَهُمْ قُلُوحًا لَكُمْ الطَّيِّبَاتُ وَمَا عَلَّمْتُمْ مِنَ الْجَوَارِحِ

लिये क्या उलाल है. केह दो कि उलाल है तुम्हारे लिये सब पाकीजा थीजें. और जो सधा रभा है तुमने अपने

مُكَلِّبِينَ تَعَلَّمُوهُنَّ مِمَّا عَلَّمَكُمُ اللَّهُ فَكُلُوا مِمَّا أَمْسَكْنَ

शिकारी शिकार पर दौडानेकी, तो उन्हें सिखाते हो जो अल्लाहने तुम्हें ईल्म दिया, तो भा लो जिस शिकारको वोह तुम्हारे लिये पकड़ें.

عَلَيْكُمْ وَاذْكُرُوا أَنَّ اللَّهَ عَلَيْهِ وَاتَّقُوا اللَّهَ إِنَّ اللَّهَ سَرِيعٌ

और उस पर अल्लाहका नाम भी लो. और अल्लाहसे डरते रहो. बेशक अल्लाह जल्द

الْحِسَابِ ۝ الْيَوْمَ أُحِلَّ لَكُمْ الطَّيِّبَاتُ وَطَعَامُ الَّذِينَ أُوتُوا

હિસાબ લેનેવાલા હે (૪) આજ હલાલ કર દી ગઈ તુમ્હે પાકીઝા ચીઝે. ઓર અહલે કિતાબકા ઝબીહા

الْكِتَابِ حِلٌّ لَكُمْ وَطَعَامُكُمْ حِلٌّ لَهُمْ وَالْمُحْصَنَاتُ مِنَ

તુમ્હે હલાલ, ઓર તુમ્હારા ઝબીહા ઉનકો હલાલ. ઓર મુસલ્માન

السُّوْمِنَاتِ وَالْمُحْصَنَاتُ مِنَ الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ مِنْ قَبْلِكُمْ

પારસા ઓરતે, ઓર નેક ચલન કિતાબિયા ઓરતે,

إِذَا آتَيْتُمُوهُنَّ أَجُورَهُنَّ فَحُصْنَيْنِ غَيْرِ مُسْفِحِينَ وَلَا

જબકિ તુમને દે ડાલા ઉનકો ઉનકા મહર, એક દૂસરેકે પાબન્દ હો કર, ન કિ શહવત નિકાલને ઓર ન

مُتَّخِذِي أَخْدَانٍ ۝ وَمَنْ يَكْفُرْ بِالْإِيمَانِ فَقَدْ حَبِطَ عَمَلُهُ

આશનાઈ કરનેકે લિયે, ઓર જો ઈમાન લા કર કુફ કરે, તો બેશક મલિયા મેટ હો ગયા ઉસકા અમલ.

وَهُوَ فِي الْآخِرَةِ مِنَ الْخَسِرِينَ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا

ઓર વોહ આબિરતમેં બડે ઘાટેવાલોંસે હે (૫) એ વોહ જો ઈમાન લા ચુકે ! જબ

قُمْتُمْ إِلَى الصَّلَاةِ فَاغْسِلُوا وُجُوهَكُمْ وَأَيْدِيَكُمْ إِلَى الْمَرَافِقِ

બડે હો લગે નમાઝકો, તો ધો ડાલો અપને ચેહરે, ઓર કોહનિયોં તક અપને હાથ,

وَأَمْسَحُوا بِرُءُوسِكُمْ وَأَرْجُلَكُمْ إِلَى الْكَعْبَيْنِ ۝ وَإِنْ كُنْتُمْ جُنُبًا

ઓર મસ્હ કર લો અપને સરકા, ઓર પાંવકો ગઢોં તક. ઓર અગર બેગુસ્લે હો

فَأَطْهَرُوا ۝ وَإِنْ كُنْتُمْ مَرْضَىٰ أَوْ عَلَىٰ سَفَرٍ أَوْ جَاءَ أَحَدٌ مِّنْكُمْ

તો ગુસ્લ કર ડાલો. ઓર અગર બીમાર હો યા બર સરે સફર હો, યા કોઈ તુમ્હારા આયા

مِّنَ الْغَايِبِ أَوْ لَسْتُمْ بِالنِّسَاءِ فَلَمْ تَجِدُوا مَاءً فَتَيَمَّمُوا صَعِيدًا

ઈસ્તિ-જેસે, યા તુમને લમ્સ કિયા ઓરતોંકા, ફિર પાની ન પાયા, તો તયમ્મુમ કરો પાક

طَيِّبًا فَاَمْسَحُوا بِوُجُوهِكُمْ وَأَيْدِيكُمْ مِنْهُ ۝ مَا يُرِيدُ اللَّهُ

મિટ્ટીસે, તો મસ્હ કરો અપને ચેહરોંકા ઓર હાથોંકા ઉસસે. અલ્લાહ નહીં ચાહતા

لِيَجْعَلَ عَلَيْكُمْ مِنْ حَرَجٍ وَلَكِنْ يُرِيدُ لِيُطَهِّرَكُمْ وَلِيُتِمَّ

કિ તુમ પર કોઈ તંગી ડાલ દે, લેકિન ચાહતા હે કિ તુમકો સાફ સુથરા કર દે, ઓર તાકિ તમામ ફરમાદે

نِعْمَتَهُ عَلَيْكُمْ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ﴿٥﴾ وَاذْكُرُوا نِعْمَةَ اللَّهِ عَلَيْكُمْ

अपनी ने'मतको तुम पर, कि तुम शुक्र गुजार बनो (६) और याद करो अपने ऊपर अल्लाहकी ने'मतको,

وَمِيثَاقَهُ الَّذِي وَاثَقَكُمْ بِهِ إِذْ قُلْتُمْ سَمِعْنَا وَأَطَعْنَا ۗ وَ

और उस अडहको जिसको उसने तुमसे मजबूतीसे लिया, जबकि तुमने ठंकरार कर लिया था कि हमने सुना और कहेको माना, और

اتَّقُوا اللَّهَ ۗ إِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ بِذَاتِ الصُّدُورِ ﴿٦﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

अल्लाहसे डरो भेशक अल्लाह जानता है सीनोंके राजकी (७) औ वोल जो

آمَنُوا كُونُوا قَوْمِينَ لِلَّهِ شُهَدَاءَ بِالْقِسْطِ ۗ وَلَا يَجْرِمَنَّكُمْ

ईमान ला युके ! काईम हो जाओ अल्लाहके लिये ईसाकके गवाह हो कर. और कभी न उभारे

شَتَانٌ قَوْمٍ عَلَىٰ إِلَّا تَعَدَّوْا ۗ أَعِدُّوا لَهُمْ أَقْرَبَ لِلتَّقْوَىٰ ۗ وَ

किसी कौमकी दुश्मनी तुमकी ईस पर, के ईसाक छोड दो. तुम ईसाक करो... वोल तकवासे बछोट नजदीक है. और

اتَّقُوا اللَّهَ ۗ إِنَّ اللَّهَ خَبِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ ﴿٧﴾ وَعَدَّ اللَّهُ الَّذِينَ

अल्लाहसे डरो. भेशक अल्लाह जो करो उससे भापबर है (८) वा'दा इरमा लिया अल्लाहने जो

آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ ۗ وَأَجْرٌ عَظِيمٌ ﴿٨﴾ وَالَّذِينَ

ईमान लाओ और नेकियांकी, उनके लिये बख्शिश और बडा अज्र है (९) और जिन्हों

كَفَرُوا وَكَذَّبُوا بِآيَاتِنَا أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ الْجَحِيمِ ﴿٩﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

ने ई-कार किया और हमारी आयतोंको जुटवाया, वोल जहन्नमके लोग हैं (१०) औ वोल जो

آمَنُوا أَذْكُرُوا نِعْمَتَ اللَّهِ عَلَيْكُمْ إِذْ هُمْ قَوْمٌ أَنْ يَبْسُطُوا إِلَيْكُمْ

ईमान ला युके ! याद करो अल्लाहकी ने'मतको अपने ऊपर, जबकि कस्ट किया अक कौमने कि डेला है तुम पर

أَيْدِيَهُمْ فَكَفَّ أَيْدِيَهُمْ عَنْكُمْ ۗ وَاتَّقُوا اللَّهَ ۗ وَعَلَى اللَّهِ فَلْيَتَوَكَّلِ

अपने हाथ, तो अल्लाहने रोक दिया उनके हाथोंको तुमसे, और अल्लाहसे डरते रहो, और अल्लाह ही पर ईमानवाले

الْمُؤْمِنُونَ ﴿١٠﴾ وَلَقَدْ أَخَذَ اللَّهُ مِيثَاقَ بَنِي إِسْرَائِيلَ ۗ وَبَعَثْنَا

भरोसा रखें (११) और भेशक लिया था अल्लाहने ईसराईलियोंसे मजबूत अडह. और भेजा

مِنْهُمْ اثْنَيْ عَشَرَ نَقِيبًا وَقَالَ اللَّهُ إِنِّي مَعَكُمْ لَئِنْ أَقَمْتُمْ

उनमेंसे बारह नकीब. और अल्लाहने इरमाया कि मैं तुम्हारे साथ हूँ, अगर तुम काईम करते रहे

الصَّلَاةَ وَآتَيْتُمُ الزَّكَاةَ وَآمَنْتُمْ بِرُسُلِي وَعَدَّرْتُمْهُمْ وَ

नमाजको, और देते रहे जकात, और मानते रहे मेरे रसूलोंको, और ता'जीम करते रहे उन रसूलोंकी, और

أَقْرَضْتُمُ اللَّهَ قَرْضًا حَسَنًا لَّا تَكْفُرَانَّ عَنْكُمْ سَيِّئَاتِكُمْ

अव्लाह वास्ते कर्जे उसना देते रहे, तो हम तुम्हारे गुनाहोंका कफ़ारा कर देंगे,

وَلَا دَخَلْنَاكُمْ جَنَّتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ فَمَنْ كَفَرَ بَعْدَ

और तुमको दाखिल करेंगे उन जन्नतोंमें, जिनके नीचे नहरें बहती हैं. तो जो काफ़िर हुवा उसके बाद

ذَلِكَ مِنْكُمْ فَقَدْ ضَلَّ سَوَاءَ السَّبِيلِ ۝۱۲ فِيمَا نَقَضْتُمْ مِيثَاقَهُمْ

तुम मेंसे, तो भेशक भेडक गया सीधे रास्तेसे (१२) पस उनके अपने अहदको तोड़ देनेकी वजहसे

لَعَنَهُمْ وَجَعَلْنَا قُلُوبَهُمْ قَاسِيَةً يُحَرِّفُونَ الْكَلِمَ عَنْ مَوَاضِعِهَا

उमने मर्दूद बना दिया उनको, और कर दिया उनके दिलोंको सभ्त. उलटते पलटते हैं लफ़्जोंको उनकी जगहोंसे.

وَسُوا حَظًّا مِمَّا ذُكِّرُوا بِهِ ۝ وَلَا تَزَالُ تَطَّلِعُ عَلَى خَائِنَةٍ مِنْهُمْ

और भूल गये बडा छिस्सा जो उनको नसीहतकी गर्थ थी. और उमेशा आगाह होते रहोगे उनकी अक न अक भयानत पर,

إِلَّا قَلِيلًا مِنْهُمْ فَاعْفُ عَنْهُمْ وَاصْفَحْ ۗ إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ

मगर थोडे उनमेंसे, तो उनसे अकवसे काम लो और दरगुजर करो. भेशक अव्लाह मडभूब रभता है

الْمُحْسِنِينَ ۝۱۳ وَمِنَ الَّذِينَ قَالُوا إِنَّا نَصْرِي أَخَذْنَا مِيثَاقَهُمْ

अउसान करनेवालोंको (१३) और उन लोगोंसे जिनहोंने अपनेको कडा कि हम नसारा हैं, उमने उनसे मजबूत अहद लिया

فَنَسُوا حَظًّا مِمَّا ذُكِّرُوا بِهِ ۖ فَأَعْرَبْنَا بَيْنَهُمُ الْعَدَاوَةَ وَ

तो भूल गये छिस्सा, जिसकी उनहें नसीहतकी गर्थ थी, तो उल दी उमने उनमें बाहमी दुश्मनी और

الْبَغْضَاءَ إِلَى يَوْمِ الْقِيَامَةِ ۗ وَسَوْفَ يُنَبِّئُهُمُ اللَّهُ بِمَا كَانُوا

भुग्ज, क्यामत तक. और जल्द अव्लाह उनहें बता देगा जो

يَصْنَعُونَ ۝۱۴ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ قَدْ جَاءَكُمْ رَسُولُنَا يُبَيِّنُ لَكُمْ

कर चुके हैं (१४) ओ अउले किताब, भेशक आ गया तुम्हारे पास हमारा रसूल, जो जाहिर कर देता है

كَثِيرًا مِمَّا كُنْتُمْ تُخْفُونَ مِنَ الْكِتَابِ وَيَعْفُوا عَنْ كَثِيرٍ ۗ قَدْ

बोहतरी चीजोंको, जिनको तुम छुपाते थे किताबसे, और बहोतको मुआफ़ रभते हैं... भेशक

جَاءَكُمْ مِنَ اللَّهِ نُورٌ وَكِتَابٌ مُبِينٌ ﴿۱۵﴾ يَهْدِي بِإِذْنِ اللَّهِ مِنَ

आ गया तुममें अल्लाहकी तरफसे अेक नूर और रौशन किताब (१५) छिदायत अता इरमाता है उससे अल्लाह उस

اتَّبِعْ رِضْوَانَهُ سُبُلَ السَّلَامِ وَيُخْرِجُهُم مِّنَ الظُّلُمَاتِ إِلَى النُّورِ

की, जो यल पडा उसकी भुशीके लिये, सलामतीकी राहोंकी, और निकाल देता है उनको अंधेरोसे रौशनीकी तरफ,

بِإِذْنِهِ وَيَهْدِيَهُمْ إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ﴿۱۶﴾ لَقَدْ كَفَرَ الَّذِينَ

अपने हुकमसे, और राह दे देता है सीधी (१६) भेशक काइर हो गये, जो

قَالُوا إِنَّ اللَّهَ هُوَ الْمَسِيحُ ابْنُ مَرْيَمَ قُلْ فَمَن يَمْلِكُ مِنَ

भोले कि अल्लाह मसीह ईभने मरयम ही है. कहो, कि कौन काबू रभता है

اللَّهِ شَيْئًا إِنْ أَرَادَ أَنْ يُهْلِكَ الْمَسِيحَ ابْنَ مَرْيَمَ وَأُمَّهُ وَ

कुछ भी अल्लाहसे, अगर इरादा इरमा लिया कि उलाक कर दे मसीह ईभने मरयम और उनकी मां और

مَنْ فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا وَلِلَّهِ مُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

जमीन पर जो है सबको. और अल्लाहके लिये है मिल्कियत आस्मानों और जमीनकी

وَمَا بَيْنَهُمَا يَخْلُقُ مَا يَشَاءُ وَاللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۱۷﴾ وَ

और उनके दरमियानकी. पैदा इरमा दे जो चाहे. और अल्लाह हर चाहे पर कादिर है (१७) और

قَالَتِ الْيَهُودُ وَالنَّصَارَى مَنُحْنُ أَبْنَاءُ اللَّهِ وَأَحِبَّاؤُهُ قُلْ فَلِمَ

यहुदो नसारा भोले, कि "हम अल्लाहके भेटे और प्यारे हैं," कहो कि "इर

يُعَذِّبُكُم بِذُنُوبِكُمْ بَلْ أَنْتُمْ بَشَرٌ مِّمَّنْ خَلَقَ يَغْفِرُ لِمَن يَشَاءُ

तुम पर अजाब क्यूं किया तुम्हारे गुनाहोंकी वजह से?" बल्कि तुम बशर हो अल्लाहकी मख्लूकतसे. वोह बपश दे जिसको चाहे

وَيُعَذِّبُ مَنْ يَشَاءُ وَلِلَّهِ مُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا

और अजाब दे जिसको चाहे. और अल्लाह हीके लिये है हुकूमत आस्मानोंकी और जमीनकी और उनके दरमियानकी,

وَالْيَوْمِ الْمَوْجِئِ ﴿۱۸﴾ يَا هَلْ أَهْلَ الْكِتَابِ قَدْ جَاءَكُمْ رَسُولُنَا يُبَيِّنُ

और उसीकी तरफ इरना है (१८) अे अेहले किताब भेशक आ गया तुम्हारे पास हमारा रसूल, जो भोल कर हमारा हुकम जादिर कर देता है

لَكُمْ عَلَى فِتْرَةٍ مِّنَ الرُّسُلِ أَنْ تَقُولُوا مَا جَاءَنَا مِن بَشِيرٍ

तुम पर, रसूलोंका सिखिसवा दूट जाने पर, कि कभी कहीं केह गलो कि नहीं आया हमारे पास कोई बशीर

وَلَا تَذِيرُنَّ فَقَدْ جَاءَكُمْ بَشِيرٌ وَنَذِيرٌ وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ

۶ व नजीर. तो लो आ गया तुम्हारे पास बशीर व नजीर. और अल्लाह हर याहे पर

قَدِيرٌ ۱۹) وَإِذْ قَالَ مُوسَىٰ لِقَوْمِهِ لِقَوْمِهِ إِذْكُرُوا نِعْمَةَ اللَّهِ

कादिर है (१८) और जब कडा मूसाने अपनी कौमको, “अे कौम याद करो अल्लाहकी ने’मतकी

عَلَيْكُمْ إِذْ جَعَلَ فِيكُمْ أَنْبِيَاءَ وَجَعَلَكُمْ مُلُوكًا ۲۰) وَأَنْتُمْ قَالُمْ

अपने विपर, कि पैदा किया तुममें अम्बियाको, और तुमको बना दिया बादशाह, और तुमको दिया जो किसीको न

يُوتُ أَحَدًا مِنَ الْعَالَمِينَ ۲۱) يَقَوْمِ ادْخُلُوا الْأَرْضَ الْمُقَدَّسَةَ

दिया आज सारे जहांमें” (२०) “अे कौम दाबिल हो जमीन पाकमें

الَّتِي كَتَبَ اللَّهُ لَكُمْ وَلَا تَرْتَدُّوا عَلَىٰ أَدْبَارِكُمْ فَتَنْقَلِبُوا

जिसको लिख दिया अल्लाहने तुम्हारे लिये, और न पटो अपनी पुशत पर, कि पलट उटो

خَسِرِينَ ۲۲) قَالُوا يَا مُوسَىٰ إِنَّ فِيهَا قَوْمًا جَبَّارِينَ ۲۳) وَإِنَّا لَن

घाटेमें” (२१) सब बोले, “अे मूसा ठसमें बडे बडे जबरदस्त लोग हैं, हम तो वहां

نَدَّخُلُوهَا حَتَّىٰ يُخْرِجُوا مِنْهَا ۲۴) فَإِن يُخْرِجُوا مِنْهَا فَإِنَّا دَاخِلُونَ ۲۵)

दाबिल न होंगे, यहां तक कि वोह वहांसे निकल जायें, हां अगर वोह निकल जायें तो हम जरूर पछोंचेंगे” (२२)

قَالَ رَجُلٌ مِنَ الَّذِينَ يَخْفَوْنَ أَلَعَمَّ اللَّهُ عَلَيْهَا ادْخُلُوا

अल्लाहसे डरनेवालों मेंसे हो शम्सोंने कडा, उन दोनों पर अल्लाहका ठन्नाम हुवा, कि “दाबिल हो

عَلَيْهِمُ الْبَابُ ۲۶) فَإِذَا دَخَلْتُمُوهُ فَإِنَّكُمْ عَلَيْهِمْ عَدُوٌّ وَعَلَى اللَّهِ

दरवाजेमें जबरदस्ती.” फिर जब दाबिल हो चुके, तो बेशक तुम्हीं जते. और अल्लाह पर

فَتَوَكَّلُوا ۲۷) إِن كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ۲۸) قَالُوا يَا مُوسَىٰ إِنَّا لَن نَدَّخُلُوهَا

भरोसा रभो अगर उसे मानते हो (२३) सब बोले, “अे मूसा हम तो कभी दाबिल न होंगे

أَبَدًا ۲۹) أَمْ آدَامُوهَا فَادْهَبْ أَنْتَ وَرَبُّكَ فَقَاتِلَا إِنَّا هَاهُنَا

जब तक वोह उसमें हैं, तो यले जाओ तुम और तुम्हारा परवरदिगार, फिर दोनों मिल कर जंग करो हम यहां

قُعُودُونَ ۳۰) قَالَ رَبِّ إِنِّي لَا أَمْلِكُ إِلَّا نَفْسِي وَأَخِي فَافْرِقْ

बैठे हैं” (२४) कडा मूसाने, “परवरदिगारा में नही जिम्मेदार हूं, मगर अपनी जातका और अपने त्माईका, तो अलग अलग

بَيْنَنَا وَبَيْنَ الْقَوْمِ الْفَاسِقِينَ ﴿۲۵﴾ قَالَ فَإِنَّهَا مُكْرَمَةٌ عَلَيْهِمْ

कर दे डमको और नाफरमान कौमको” (२५) फरमाया, “तो बेशक वोड उस जमीनसे

أَرْبَعِينَ سَنَةً ۖ يَتِيَهُونَ فِي الْأَرْضِ فَلَا تَأْسَ عَلَى الْقَوْمِ

याबीस साल तक मडरूम हूअे, टापते किरेंगे जमीनमें, तो अफसोस मत करना एन

الْفَاسِقِينَ ﴿۲۶﴾ وَآتَلَ عَلَيْهِمْ نَبَأَ ابْنِي آدَمَ بِالْحَقِّ ۖ إِذْ قَرَّبَا

नाफरमानों पर” (२६) और उनडे पढ कर बताओ आदमके दोनों बेटोंका ठीक वाकेआ... जबकि दोनोंने अपनी

قَرَّبَا نَارًا فَتَقَبَّلَ مِنْ أَحَدِهِمَا وَلَمْ يُتَقَبَّلْ مِنَ الْآخَرِ ۚ قَالَ

अपनी नियाजकी, किर एनमें अेककी कबूल हूँ और दूसरेकी न हूँ. तो वोड बोला

لَا قُتِلَاكَ ۚ قَالَ إِنَّمَا يَتَقَبَّلُ اللَّهُ مِنَ الْمُتَّقِينَ ﴿۲۷﴾ لَئِن

कि “डम तुमको मार डालेंगे जडर.” जवाब दिया कि “अल्लाह तआला कबूल फरमाता है अपने डरनेवालोंसे” (२७) “अगर

بَسَطْتَ إِلَىٰ يَدِكَ لِتَقْتُلَنِي مَا أَنَا بِبَاسٍ بِيَدَيْكَ

तूने डाय बढाया मेरी तरफ कि मुजको कत्व कर दे, तो भी में दस्त दराजी न कडंगा, कि तुजको

لَا قُتِلَاكَ ۚ إِنِّي أَخَافُ اللَّهَ رَبَّ الْعَالَمِينَ ﴿۲۸﴾ إِنِّي أُرِيدُ أَنْ

मार डालूं, में तो डरता हूँ अल्लाहको, पालनेवाला सारे जडानका” (२८) “में याडता हूँ कि

تَبُوًّا بِرَأْسِي وَإِنَّكَ فَتَكُونُ مِنْ أَصْحَابِ النَّارِ ۖ وَذَلِكَ

तोले जाअे मेरे गुनाह और अपने गुनाह, कि डो जा जडन्नमवालोंसे.” और यह

جَزَاءُ الظَّالِمِينَ ﴿۲۹﴾ فَطَوَّعَتْ لَهُ نَفْسُهُ قَتْلَ أَخِيهِ فَقَتَلَهُ

जाविभोंका बढवा है (२९) किर लगा दिया उसको उसके नफसने अपने भाईके मार डालनेको, तो उसकी मार डाला,

فَأَصْبَحَ مِنَ الْخَاسِرِينَ ﴿۳۰﴾ فَبَعَثَ اللَّهُ غُرَابًا يَبْحَثُ فِي

तो डो गया घाटेवालोंसे (३०) तो भेजा अल्लाहने अेक कव्वा, कि जमीन कुरेदे,

الْأَرْضِ لِيُرِيَهُ كَيْفَ يُوَارِي سَوْءَةَ أَخِيهِ ۖ قَالَ يُوَارِي

ताकि उसे दिभा दे कि किस तरड छुपाअे अपने भाईकी वाश. बोला “डाय रे, में

أَعَجَزْتُ أَنْ أَكُونَ مِثْلَ هَذَا الْغُرَابِ فَأُوَارِي سَوْءَةَ أَخِي

क्या एतना भी न हुवा, कि एस कव्वेकी तरड हूँ, कि अपने भाईकी वाश तो छुपा हूँ.”

۲۵  
۲۶  
۲۷  
۲۸  
۲۹  
۳۰

الغراب

فَأَصْبَحَ مِنَ التَّائِمِينَ ﴿۳۱﴾ مِنْ أَجْلِ ذَلِكَ كَتَبْنَا عَلَىٰ

तो भसियाना हो गया (३१) इसी लिये..... हमने

بَنِي إِسْرَائِيلَ أَنَّهُ مَنْ قَتَلَ نَفْسًا بِغَيْرِ نَفْسٍ أَوْ فَسَادٍ فِي

आवे या'कूब पर लिख दिया, कि जिसने किसी जानको कत्ल किया, न जानके बदले, न जमीन पर किसी मुजरिमाना शोरिशकी

الْأَرْضِ فَكَأَنَّمَا قَتَلَ النَّاسَ جَمِيعًا ۖ وَمَنْ أَحْيَاهَا فَكَأَنَّمَا

सजामें, तो उसने गोया कत्ल कर डावा सब लोगोंको, और जिसने मरनेसे बचाया अक जानको, गोया

أَحْيَا النَّاسَ جَمِيعًا ۗ وَلَقَدْ جَاءَتْهُمْ رُسُلُنَا بِالْبَيِّنَاتِ ثُمَّ

उसने सब लोगोंको जिन्दा रभा, और बेशक उनमें आये हमारे बहोतसे रसूल रौशन दलीलोंके साथ. फिर

إِن كَثِيرًا مِّنْهُمْ بَعْدَ ذَلِكَ فِي الْأَرْضِ لَاسْرِفُونَ ﴿۳۲﴾ إِنَّمَا جَزَاءُ

भी उनके बोहतरे जमीनमें ज्यादती करनेवाले हैं (३२) उनका बदला

الَّذِينَ يُحَارِبُونَ اللَّهَ وَرَسُولَهُ وَيَسْعَوْنَ فِي الْأَرْضِ

जो जंग करें अल्लाह और उसके रसूलसे, और करते किरें जमीनमें

فَسَادًا أَن يُقْتَلُوا أَوْ يُصَلَّبُوا أَوْ تُقَطَّعَ أَيْدِيهِمْ وَأَرْجُلُهُمْ

जगडे, यह है कि अक अक मार डाले जायें, या फांसी पर लटकाये जायें या उनके अक तरफके हाथ तराश लिये

مِّنْ خِلَافٍ أَوْ يُنْفَوْا مِنَ الْأَرْضِ ۗ ذَلِكَ لِمَ خَرَّمْنَا فِي الدُّنْيَا

जायें तो दूसरी जानबडे पांव, या अपनी जमीनसे निकाल दिये जायें. यह तो उनकी दुन्यामें रुखाई है

وَلَهُمْ فِي الْآخِرَةِ عَذَابٌ عَظِيمٌ ﴿۳۳﴾ إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا مِن قَبْلِ

और आभिरतमें उनके लिये बाडा अजाब है (३३) मगर जिन्होंने तौबा कर ली कबल इसके

أَن تَقْدَرُوا عَلَيْهِمْ ۖ فَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۳۴﴾ يَا أَيُّهَا

कि तुम उन्हें गिरफ्तार करो, तो जान रभो कि अल्लाह गफूररहीम है (३४) ओ

الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا اللَّهَ وَابْتَغُوا إِلَيْهِ الْوَسِيلَةَ وَجَاهِدُوا

वोह जो ईमान ला चुके ! अल्लाहको डरो और तलाश करो उस तक पहोंयनेका वसीला, और जिहाद करो

فِي سَبِيلِهِ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ ﴿۳۵﴾ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا لَوَ أَنَّ لَهُمْ

उदाकी राडमें, उम्मीद रभो कि कामियाब हो जाओ (३५) बेशक जिन्होंने कुड़ किया, अगर उनका हो जाये

مَعَاذَ اللَّهِ  
وَقَدْ لَبِثْنَا عَلَىٰ أَرْضِنَا

۵  
۴

مَا فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا وَمِثْلَهُ مَعَهُ لِيَفْتَدُوا بِمِنْ عَذَابِ

جو کچھ زمین میں ہے سب, اور उसी कद्र और, कि किंदा कर दें कयामतके अजाबसे

يَوْمَ الْقِيَامَةِ مَا تَقْبَلُ مِنْهُمْ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۳۸﴾ يُرِيدُونَ

भयनेके लिये, तो उनसे कबूल न किया जायेगा. और उनके लिये दुःख देनेवाला अजाब है (उ६) चाहेंगे कि

أَنْ يُخْرَجُوا مِنَ النَّارِ وَمَا هُمْ بِمُخْرَجِينَ مِنْهَا وَلَهُمْ عَذَابٌ

निकल जायें जहन्नमसे, और वोड उससे निकलनेवाले नहीं. और उनके लिये अबदी

مُقِيمٌ ﴿۳۹﴾ وَالسَّارِقُ وَالسَّارِقَةُ فَاقْطَعُوا أَيْدِيَهُمَا جِزَاءً بِمَا

अजाब है (उ७) और चोर मर्द व औरत, उनके हाथ काट दो, बदलेमें उसके जो उन्हीं

كَسَبَا نَكَالًا مِنَ اللَّهِ وَاللَّهُ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿۴۰﴾ فَمَنْ تَابَ مِنْ

ने करतूत टिपाया, और सज़ामें अल्लाहकी तरफसे, और अल्लाह गल्बेवाला छिक्मत वाला है (उ८) तो जिस ने तौबा कर ली

بَعْدَ ظُلْمِهِ وَأَصْلَحَ فَإِنَّ اللَّهَ يَتُوبُ عَلَيْهِ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ

अपने जुल्म करनेके बाद, और अच्छे चलनका बन गया, तो बेशक अल्लाह तौबा कबूल करमाता है उसकी. बेशक अल्लाह गफूर

رَحِيمٌ ﴿۴۱﴾ أَلَمْ تَعْلَمْ أَنَّ اللَّهَ لَهُ الْمُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ط

रहीम है (उ९) क्या तुमको मा'लूम नहीं, कि बेशक अल्लाह, उसीकी है मिल्कियत आस्मानोंकी और जमीनकी.

يُعَذِّبُ مَنْ يَشَاءُ وَيَغْفِرُ لِمَنْ يَشَاءُ وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ

जिसे चाहे अजाब दे और जिसकी चाहे बप्श दे. और अल्लाह हर चाहे पर

قَدِيرٌ ﴿۴۲﴾ يَا أَيُّهَا الرَّسُولُ لَا يَحْزُنكَ الَّذِينَ يُسَارِعُونَ فِي

कादिर है (४०) ऐ रसूल तुम्हें परवाह भी न हो, जो कुकमें दौड दौड गिरते हैं.

الْكُفْرِ مِنَ الَّذِينَ قَالُوا آمَنَّا بِأَقْوَابِهِمْ وَلَمْ تُؤْمِنُ قُلُوبُهُمْ ؕ

बा'ज वोड जो केह गये अपने मुँहसे कि हम ईमान लाये, और उनके दिलने माना नहीं.

وَمِنَ الَّذِينَ هَادُوا ؕ سَعُونَ لِلْكَذِبِ سَعُونَ لِقَوْمِ

और बा'ज वोड जो यहुदी हैं. जूट सुननेके बडे शौकीन, दूसरे लोगोंकी बात पर फुल कान

آخَرِينَ لَمْ يَأْتُوكَ بِحَرْفٍ مِنَ الْكَلِمِ مِنْ بَعْدِ مَوَاضِعِهِ ؕ

धरनेवाले, जो तुम्हारे पास नहीं आये. अल्लाह बटल देते हैं उनकी जगहोंके धाबित हो जानेके बाद.

يَقُولُونَ إِنْ أُوتِينَا هَذَا فَخُدُّوهُ وَإِنْ لَمْ تُؤْتُوهُ فَاخْذُرُوا

کہتے ہیں اگر یہ دھوکہ دیا گیا تو مان لینا اور اگر وہ دھوکہ نہ دیا گیا تو بچنا۔

وَمَنْ يُرِدِ اللَّهُ فِتْنَتَهُ فَلَنْ تَمْلِكَ لَهُ مِنْ اللَّهِ شَيْئًا أُولَٰئِكَ

اور جسکی تباہی اہلکار چاہے، تو اس میں تمہارا اہلکار سے کچھ اثر نہیں۔ یہ لوگ

الَّذِينَ لَمْ يُرِدِ اللَّهُ أَنْ يُطَهِّرْ قُلُوبَهُمْ لَمْ يَفْعَلْ فِي الدُّنْيَا خِزْيًا

وہ ہیں جن کو اللہ نے دیکھا کہ ان کے دلوں کو پالنا چاہتا تھا، لیکن ان کے دل، ان کی دنیا میں

وَلَهُمْ فِي الْآخِرَةِ عَذَابٌ عَظِيمٌ ﴿۱۶﴾ سَمِعُونَ بِالْكَذِبِ أَكْثَرُونَ

اور آخرت میں بڑا عذاب ہے (۱۶) ان کے دلوں میں سنا کر ان کے دل سے ان کے

لِلسُّحْتِ فَإِنْ جَاءُوكَ فَاحْكُم بَيْنَهُمْ أَوْ أَعْرِضْ عَنْهُمْ وَ

دھوکہ دہی کے لیے۔ اگر ان کے پاس آئے، تو ان کے لیے حکم دے یا ان سے بچنا۔ اور

إِنْ تَعْرِضْ عَنْهُمْ فَلَنْ يَضُرُّوكَ شَيْئًا وَإِنْ حَكَمْتَ فَاحْكُم

اگر ان سے بچنا، تو ان سے کچھ نہیں ہراساں کر سکتے۔ اور اگر حکم دے، تو ان کے لیے حکم دے

بَيْنَهُمْ بِالْقِسْطِ إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُقْسِطِينَ ﴿۱۷﴾ وَكَيْفَ يُحْكُمُونَكَ

ان کے لیے انصاف سے۔ انصاف سے حکم دینا اللہ کے لیے پسندیدہ ہے اور ان کے لیے حکم دینا

وَعِنْدَهُمُ التَّوْرَةُ فِيهَا حُكْمُ اللَّهِ ثُمَّ يَتَوَلَّوْنَ مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ

اور ان کے پاس تورات ہے، جس میں اللہ کا حکم ہے، پھر ان کے دل سے ان کے

وَمَا أُولَٰئِكَ بِالْمُؤْمِنِينَ ﴿۱۸﴾ إِنَّا أَنْزَلْنَا التَّوْرَةَ فِيهَا هُدًى

اور ان لوگوں کو ماننے والے نہیں ہیں۔ (۱۸) ہم نے تورات کو اتارا جس میں

وَتُورٌ يُحْكُمُ بِهَا النَّبِيُّونَ الَّذِينَ أَسْلَمُوا لِلَّذِينَ هَادُوا

اور روشنی ہے۔ ان کے لیے حکم دینے والے ان لوگوں کے لیے ہیں جو ایمان لائے،

وَالرَّسُولُونَ وَالْأَحْبَارُ بِمَا اسْتُحْفِظُوا مِنْ كِتَابِ اللَّهِ وَكَانُوا

اور اہلکار اور علماء، جن کو ان کے پاس لکھی ہوئی کتابوں کی حفاظت کی

عَلَيْهِ شَهَادَةٌ فَلَا تُخْشَوْنَ النَّاسَ وَالْحَشُونُ وَلَا تَخْشَوْا

ان کے لیے شہادت ہے۔ تو لوگوں سے ڈرو اور ان سے ڈرو، اور ان سے

بِآيَاتِي تَنَادًا قَلِيلًا ۖ وَمَنْ لَّمْ يُحْكَمْ بِمَا أَنْزَلَ اللَّهُ فَأُولَٰئِكَ

मेरी आयतोंके बदले जलील थोड़ा कीमत. और जिसने इसका न किया मुवाफिक उसके, जिसको उतारा अल्लाहने, तो वोही

هُمُ الْكٰفِرُونَ ﴿۳۷﴾ وَكَتَبْنَا عَلَيْهِمْ فِيهَا أَنَّ النَّفْسَ بِالنَّفْسِ ۖ

लोग काफिर हैं (४४) और हमने लिख दिया उन पर उसमें, कि बेशक जानके बदले जान,

وَالْعَيْنَ بِالْعَيْنِ وَالْأَنْفَ بِالْأَنْفِ وَالْأُذُنَ بِالْأُذُنِ وَ

आंखके बदले आंख, और नाकके बदले नाक, और कानके बदले कान, और

السِّنَّ بِالسِّنِّ وَالْجُرُوحَ قِصَاصٌ ۖ فَمَنْ تَصَدَّقَ بِهِ فَهُوَ

दांतके बदले दांत, और सब जघमोंमें उसका बदला है. तो जिसने सदकासे काम लिया, तो वोड

كَفَّارَةٌ لَهُ ۖ وَمَنْ لَّمْ يُحْكَمْ بِمَا أَنْزَلَ اللَّهُ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الظَّالِمُونَ ﴿۳۸﴾

उसके गुनाहका कफ़ारा है. और जिसने इसका न किया मुवाफिक उसके, जिसको उतारा अल्लाहने, तो वोही जालिम हैं (४५)

وَقَفَّيْنَا عَلَىٰ آثَارِهِم بِعِيسَى ابْنِ مَرْيَمَ مُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ

और उनके नकशे कदम पर उनके पीछे हमने भेजा इसा इब्ने मरयमको, तस्दीक करते हुए अपनेसे

يَدَيْهِ مِنَ التَّوْرَةِ ۚ وَآتَيْنَاهُ الْإِنجِيلَ فِيهِ هُدًى وَنُورٌ

आगे आये हुए तौरतकी, और दिया हमने उनको इन्जिल, जिसमें छिदायत और रोशनी है,

وَمُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ مِنَ التَّوْرَةِ وَهُدًى وَمَوْعِظَةٌ

और वोड तस्दीक करनेवाली है अपनेसे आगे तौरतकी, और छिदायत व नसीहत है

لِّلْمُتَّقِينَ ﴿۳۹﴾ وَلِيَحْكُمَ أَهْلَ الْإِنجِيلِ بِمَا أَنْزَلَ اللَّهُ فِيهِ ۖ وَ

उरनेवालोंके लिये (४६) और इसका करें इन्जिल वाले, जो उतारा अल्लाहने उसमें, और

مَنْ لَّمْ يُحْكَمْ بِمَا أَنْزَلَ اللَّهُ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الْفٰسِقُونَ ﴿۴۰﴾ وَ

जिसने इसका न किया मुवाफिक उसके, जो उतारा अल्लाहने, तो वोही ना इरमान है (४७) और

أَنْزَلْنَا إِلَيْكَ الْكِتَابَ بِالْحَقِّ مُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ مِنْ

उतारा हमने तुम पर किताब बिल्कुल सच, तस्दीक करती हुई अपनेसे आगेकी

الْكِتَابِ وَمُهَيِّمًا عَلَيْهِ فَاحْكُم بَيْنَهُمْ بِمَا أَنْزَلَ اللَّهُ وَلَا

किताबकी, और उन पर निगरानी रखती हुई, तो इसका करो उनमें जो उतारा तुम पर अल्लाहने, और

تَتَّبِعْ أَهْوَاءَهُمْ عَمَّا جَاءَكَ مِنَ الْحَقِّ لِكُلِّ جَعَلْنَا مِنْكُمْ

उनकी प्वालिशोंके पीछे न चलो छोड कर, जो आ गया है तुम्हारे पास डक. डर अेकके लिये तुम मेंसे

شُرْعَةً وَمِنْهَا جَاؤُكَ وَاللَّهُ لَجَعَلَكُمْ أُمَّةً وَاحِدَةً وَ

डमने बना रभी थी शरीअत व तरीकत. और अगर अल्लाड याडता तो तुम सबको कर देता अेक डी उम्मत.

لَكِنْ لِيَبْلُوَكُمْ فِي مَا آتَاكُمْ فَاسْتَبِقُوا الْخَيْرَاتِ إِلَى اللَّهِ

लेकिन ँस लिये कि आजमाँशमें डले तुमको, उसमें जो डिया तुमको, तो लपको नेकियोंकी तरड. अल्लाड तड

مَرْجِعَكُمْ جَمِيعًا فَيُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنْتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ ۗ

सबको लौटना है, तो वोड बता देगा जिसमें तुम लगडते थे (४८) और

أَنْ أَحْكُمَ بَيْنَهُمْ بِمَا أَنْزَلَ اللَّهُ وَلَا تَتَّبِعْ أَهْوَاءَهُمْ وَ

यड कि डैसला करो उनमें जो उतारा अल्लाडने तुम पर, और मत लगो उनकी प्वालिशोंके पीछे. और

أَحْذَرُهُمْ أَنْ يَفْتِنُوكَ عَنْ بَعْضِ مَا أَنْزَلَ اللَّهُ إِلَيْكَ

उनसे डयते रडो, कि कितना न डन जअें तुम्हारे लिये आ'ल ँन आतोंमें, कि उतारा अल्लाडने तुम तड.

فَإِنْ تَوَلَّوْا فاعلم أنما يريد الله أن يُعَذِّبَهُمْ بِبَعْضِ

डिर अगर उन्छोंने मुँड डिरा रभा, तो जान लो कि अल्लाड यडी याडता है कि देडे उनको सजा उनके आज

ذُنُوبِهِمْ وَإِنَّ كَثِيرًا مِنَ النَّاسِ لَفَاسِقُونَ ۗ

गुनाडोंकी. और डेशक लोगोंकी अकपरियत नाडरमान है (४८) तो क्या जलडिलियत

الجاهليّة يَبْغُونَ وَمَنْ أَحْسَنُ مِنَ اللَّهِ حُكْمًا الْقَوْمِ

का डैसला याडते हैं ? और अल्लाडसे डेडतर डैसला करनेमें कौन है, उनके लिये जो

يُوقِنُونَ ۗ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَّخِذُوا الْيَهُودَ وَالنَّصَارَى

यकीन रभें (५०) अै वोड जो ँमान ला चुके ! न डनाओ यलूड व नसाराको

أَوْلِيَاءَ مَبْغُضُهُمْ أَوْلِيَاءَ بَعْضُهُمْ وَمَنْ يَتَوَلَّهُمْ مِنْكُمْ فَإِنَّهُ

डोस्त... उनमें अेक डूसरेके डोस्त हैं. और जो डोस्ती रभे उनकी तुम मेंसे, तो वोड

مِنْهُمْ إِنَّ اللَّهَ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ۗ فَتَرَى الَّذِينَ

उनहींमेंसे है. डेशक अल्लाड राड नडी देता आलिम लोगोंको (५१) तो देभोगे कि जिनके

ۛ

وَالَّذِينَ آمَنُوا  
وَالَّذِينَ هُمْ  
يَتَوَلَّوْنَ

فِي قُلُوبِهِمْ مَرَضٌ يُسَارِعُونَ فِيهِمْ يَقُولُونَ نَحْشَىٰ أَنْ

दिलोंमें कमजोरी है, कि दौड़ लगाअेंगे उन यद्दो नसारामें, कहेंगे कि हमें डर लगता है,

تُصِيبَنَا دَائِرَةٌ ۖ فَعَسَىٰ اللَّهُ أَنْ يَأْتِيَ بِالْفَتْحِ أَوْ أَمْرٍ مِّنْ

कि हमें पड़ोय जाअे कोरि यक्कर. तो करीब है कि अल्लाह इत्त लाअेगा, या कोरि भात

عِنْدِهِ فَيُصِيبُحُوا عَلَىٰ مَا أَسْرَوْا فِي أَنفُسِهِمْ نَبِيٍّ مِّنْهُ ۗ

अपनी तरफसे, कि हो जाअें जो अपने दिलमें छुपा रभा है उस पर भिसयाने (पर) और

يَقُولُ الَّذِينَ آمَنُوا أَهْلَاءَ الَّذِينَ اقْتَسَمُوا بِاللَّهِ جَهْدَ

कहेंगे जो वाकेरि मान चुके हैं, “कि क्या यही हैं ? जिन्होंने कसम भाई थी अल्लाहकी, बडे जोरकी

أَيْمَانِهِمْ أَنَّهُمْ لَمَعَكُمْ حَبِطَتْ أَعْمَالُهُمْ فَاصْبِرُوا خَيْرِينَ ۗ

कसम पर कसम, कि यह जो तुम्हारे साथ हैं.” अकारत गअे उनके सारे अमल तो हो गअे दीवालिये (पउ)

يَأْتِيهَا الَّذِينَ آمَنُوا مِنْ يَرْتَدَّ مِنْكُمْ عَنْ دِينِهِ فَسَوْفَ

अै वोह जो र्थमान ला चुके ! जो तुममें दीनसे मुरतद हो जाअे, तो जद

يَأْتِي اللَّهُ بِقَوْمٍ يُحِبُّهُمْ وَيُحِبُّونَهُ ۗ أَذَلَّةٌ عَلَىٰ الْمُؤْمِنِينَ

लाअेगा अल्लाह अैसी कौम जिसकी अपना मडभूब बना दे, और वोह अल्लाहकी मडभूब मानें. मुसल्मानों पर नर्म,

أَعْدَاءٌ عَلَىٰ الْكُفْرَيْنَ يُجَاهِدُونَ فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَلَا

काकिरों पर भौइनाक, जिहाद करें अल्लाहकी राहमें, और न

يَخَافُونَ لَوْمَةَ لَرِيحٍ ۗ ذَلِكَ فَضْلُ اللَّهِ يُؤْتِيهِ مَن يَشَاءُ ۗ

डरें किसी मलामत करनेवालेकी मलामतको. यह अल्लाहका इज्जल है जिसे याहे दे.

وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ۝ إِنَّمَا وَلِيُّكُمُ اللَّهُ وَرَسُولُهُ وَالَّذِينَ

और अल्लाह वुस्ततवाला र्थमवाला है (प४) तुम्हारे दोस्त सिर्फ अल्लाह व रसूल, और वोह हैं

آمَنُوا الَّذِينَ يُقِيمُونَ الصَّلَاةَ وَيُؤْتُونَ الزَّكَاةَ وَهُمْ

जो र्थमान ला चुके, काईम करें नमाजको, और हैं जकतको और वोह

زَاكِعُونَ ۝ وَمَنْ يَتَوَلَّ اللَّهَ وَرَسُولَهُ وَالَّذِينَ آمَنُوا فَإِنَّ

जुके हैं (प५) और जो दोस्त बनाअे अल्लाह और उसके रसूल और उनको जो र्थमान ला चुके, तो भेशक

حَزَبَ اللَّهِ هُمُ الْغَالِبُونَ ﴿۵۶﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَّخِذُوا

अव्वाहका गिरोह ही गाबिअ हे (५६) अँ ईमानवालो !

الَّذِينَ اتَّخَذُوا دِينَكُمْ هُزُوعًا وَلِعِبَابٍ مِنَ الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ

जिन्होंने बना लिया हे तुम्हारे दीनको हंसी भेल, जिन्हें तुमसे पढले किताब

مِنْ قَبْلِكُمْ وَالْكَفَّارَ أَوْلِيَاءَ وَاتَّقُوا اللَّهَ إِنَّ كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ﴿۵۷﴾

दी गई हे, और काफिर लोग, उन्हें न बनाओ दोस्त. और अव्वाहसे उरो अगर उस पर ईमान रभते हो (५७)

وَإِذَا نَادَيْتُمْ إِلَى الصَّلَاةِ اتَّخَذُوا هَاهُنَا هُزُوعًا وَلِعِبَابًا ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ

और जब तुमने अजान दी नमाजके लिये, तो उन्होंने बना लिया हंसी भेल. यह इस लिये कि

قَوْمٌ لَا يَعْقِلُونَ ﴿۵۸﴾ قُلْ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ هَلْ تَتَّقُونَ مَثَلًا إِلَّا

वोह क्रोम अकल नहीं रभती (५८) कहो, “अँ अहले किताब ! क्या नहीं चिढे तुम हमसे मगर

أَنْ أَمَّا بِاللَّهِ وَمَا أُنزِلَ إِلَيْنَا وَمَا أُنزِلَ مِنْ قَبْلُ ۗ وَآتَى

ईस लिये कि हमने मान लिया अव्वाहको, और जो कुछ उतारा गया हमारी तरफ, और जो उतारा गया पढले. और भेशक

أَكْثَرَكُمْ فَاسِقُونَ ﴿۵۹﴾ قُلْ هَلْ أُنَبِّئُكُمْ بِشَرٍّ مِنْ ذَلِكَ مَثُوبَةً عِنْدَ

तुममें ज़्यादा लोग नाफरमान हैं” (५९) केह दो “कि क्या मैं बता दूँ, जो उससे बुरा दरज है अव्वाहके

اللَّهِ مَنْ لَعَنَهُ اللَّهُ وَغَضِبَ عَلَيْهِ وَجَعَلَ مِنْهُمْ الْقِرَدَةَ وَ

नजदीक, वोह जिसको मरदूह कर दिया अव्वाहने और गजब नाजिल किया उस पर, और बना दिया उन मेंसे बन्दर, और

الْحَنَازِيرَ وَعَبَدَ الطَّاغُوتِ أُولَئِكَ شَرٌّ مَكَانًا وَأَضَلُّ عَنْ سَوَاءِ

सुव्वर, और पूजा शैतानकी. वोह हैं बुरे दरजेवाले, और सीधी राहसे भडोत

السَّبِيلِ ﴿۶۰﴾ وَإِذَا جَاءُوكُمْ قَالُوا آمَنَّا وَقَدْ دَخَلُوا بِالْكُفْرِ وَهُمْ

भडके डूअे” (६०) और जब आअे तुम्हारे पास, तो “भोले कि हम ईमान ला चुके,” डालांकि “आअे कुक्के साथ और

قَدْ خَرَجُوا بِهِ وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا كَانُوا يَكْتُمُونَ ﴿۶۱﴾ وَتَرَى كَثِيرًا

निकले कुक्के साथ.” और अव्वाह भुअ जानता हे जो वोह छुपाते थे (६१) और देभोगे उनमें

مَنْهُمْ يُسَارِعُونَ فِي الْإِثْمِ وَالْعُدْوَانِ وَأَكْثَرُهُمُ السُّخْتُ لَيْسَ

भडोतोंकी, कि लपकते हैं गुनाहमें, जियाहती करनेमें, और डरामभोरीमें. भेशक बुरा हे

مَا كَانُوا يَعْلَمُونَ ﴿۴۱﴾ لَوْلَا يَنْهَاهُمْ الرَّبِّيُّونَ وَالْأَجْبَارُ عَنْ قَوْلِهِمْ

જો વોહ કરતે રહે (૬૨) ઉનકો રોકતે ક્યું નહીં પાદરી ઓર ઈલ્મવાલા તબકા ગુનાહકી બાત

الِإِثْمِ وَأَكْلِهِمُ السُّحْتِ لِبِئْسَ مَا كَانُوا يَصْنَعُونَ ﴿۴۲﴾ وَقَالَتِ الْيَهُودُ

કરને ઓર હરામખોરીસે ? બેશક બુરા હે જો કરતે રહે (૬૩) ઓર યહૂદ બકને લગે કિ

يَدُ اللَّهِ مَغْلُوبَةٌ غَلَّتْ أَيْدِيهِمْ وَلَعْنُوا بِمَا قَالُوا مَبْلُ يَدُهُ

“અલ્લાહકી મુઠ્ઠી બંધી હે.” બાંધે જાએ ઉનકે હાથ, ઓર એસા બોલનેવાલોં પર ખુદાકી માર... બલકિ અલ્લાહકે દોનોં હાથ

مَبْسُوطَةٌ يَنْفِقُ كَيْفَ يَشَاءُ وَلِيَزِيدَنَّ كَثِيرًا مِّنْهُمَا مَا أَنْزَلَ

ખુલે હેં, છુટાએ જેસે યાહે.” ઓર ઝરર બઢતી રહેગી ઉન મેંસે બહોતોંકી શારત વ ઈન્કાર, કિ જો ઉતારા ગયા

إِلَيْكَ مِنْ رَبِّكَ طُعْيَانًا وَكُفْرًا وَالْقَيْنَا بَيْنَهُمُ الْعِدَاةَ وَ

તુમ્હારી તરફ તુમ્હારે રબકી તરફસે. ઓર ડાલ દિયા હમને ઉનમેં દુશ્મની ઓર

الْبَغْضَاءَ إِلَى يَوْمِ الْقِيَامَةِ كُلَّمَا أَوْقَدُوا نَارًا لِلْحَرْبِ أَطْفَأَهَا اللَّهُ

કીના કયામત તક. જબ ઉન્હોંને જલાઈ જંગકી આગ, બુઝા દે અલ્લાહ.

وَيَسْعُونَ فِي الْأَرْضِ فَسَادًا وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ الْمُفْسِدِينَ ﴿۴۳﴾

ઓર લગે હેં ઝમીનમેં ફસાદ મયાનેકો. ઓર અલ્લાહ નહીં પસાન્દ ફરમાતા ફસાદિયોંકો (૬૪)

وَلَوْ أَنَّ أَهْلَ الْكِتَابِ آمَنُوا وَاتَّقَوْا لَكَفَّرْنَا عَنْهُمْ سَيِّئَاتِهِمْ وَ

ઓર અગર અહલે કિતાબ ઈમાન લાતે, ઓર અલ્લાહસે ડરતે, તો હમ ઉતાર દેતે ઉનસે ઉનકે ગુનાહ, ઓર

لَادْخُلْنَاهُمْ جَنَّاتِ النَّعِيمِ ﴿۴۴﴾ وَلَوْ أَنَّهُمْ أَقَامُوا التَّوْرَةَ وَ

ઝરર હમ દાખિલ કરતે ઉનકો એશકે બાગોંમેં (૬૫) ઓર અગર ઉન્હોંને કાઈમ રખા હોતા તોરેત ઓર

الْحِجْلَ وَمَا أَنْزَلْنَا إِلَيْهِمْ مِّن رَّبِّهِمْ لَأَكْفُرُوا مِنْ فَوْقِهِمْ وَ

ઈન્જીલકો, ઓર જો ઉતારા ગયા ઉનકી તરફ ઉનકે પરવરદિગારકી તરફસે, તો ઝરર ખાતે સરકે ઊપર ઓર

مِن تَحْتِ أَرْجُلِهِمْ مِّنْهُمْ أُمَّةٌ مُّقْتَصِدَةٌ وَكَثِيرٌ مِّنْهُمْ

પાંવકે નીચેસે. કુછ ઉનમેં મો'તદિલ હેં, ઓર ઝયાદા હેં જિનકે

سَاءَ مَا يَحْمَلُونَ ﴿۴۵﴾ يَا أَيُّهَا الرَّسُولُ بَلِّغْ مَا أَنْزَلَ إِلَيْكَ مِنَ

કરતૂત બુરે હેં (૬૬) એ રસૂલ ! તબ્લીગ કર દો જો કુછ ઉતારા ગયા તુમ્હારી તરફ

رَّبِّكَ وَإِنْ لَمْ تَفْعَلْ فَمَا بَلَغْتَ رِسَالَتَهُ وَاللَّهُ يَعْصِمُكَ

تुम्हारे परवरदिगारकी तरफसे, वरना तबलीग ही न की पैगामे ँलालीकी, और अल्लाह बचाता रहेगा तुमको

مِنَ النَّاسِ إِنَّ اللَّهَ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْكَافِرِينَ ﴿۴۵﴾ قُلْ يَا أَهْلَ

लोगोंसे. भेशक अल्लाह राह नहीं देता मुन्कर कौमको (६७) केह दो कि ऐ अहले

الْكِتَابِ لَسْتُمْ عَلَى شَيْءٍ حَتَّى تُقِيمُوا التَّوْرَةَ وَالْإِنْجِيلَ وَ

किताब तुम कुछ भी नहीं हो, यहां तक कि काँम करो तौरत व ँञ्जलको, और

مَا أَنْزَلْنَا إِلَيْكُمْ مِنْ رَبِّكُمْ وَلَيَزِيدَنَّ كَثِيرًا مِّنْهُمْ قَالُوا نَزَلْنَا إِلَيْكَ

जो उतारा गया तुम्हारी तरफ तुम्हारे परवरदिगारकी तरफसे, और जरूर बढ़ती रहेगी उन मेंसे बहोतोंकी

مِنَ رَبِّكَ طُغْيَانًا وَكُفْرًا أَفَلَا تَأْسَ عَلَى الْقَوْمِ الْكَافِرِينَ ﴿۴۶﴾ إِنَّ

शरारत व ँन्कार, जो नाजिल किया गया है तुम्हारी तरफ तुम्हारे परवरदिगारकी तरफसे, तो काहिर कौम पर गम न करो (६८) भेशक

الَّذِينَ آمَنُوا وَالَّذِينَ هَادُوا وَالصَّابِقُونَ وَالنَّصَارَىٰ مِنْ

मुसल्मान, यहूदी, और सितारा परस्त, और नसरानी मेंसे, जो

أَمَنَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ وَعَمِلَ صَالِحًا فَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ

मान ही ज्ञाँ अल्लाहको और पिछले दिनको, और किया अच्छे काम, तो न कोँ उर है उन पर,

وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۴۷﴾ لَقَدْ أَخَذْنَا مِيثَاقَ بَنِي إِسْرَائِيلَ وَ

और न वोह रञ्जदा होते हैं (६८) अलबन्ता भेशक डमने मजबूत अहद लिया आले या'कूबका, और

أَرْسَلْنَا إِلَيْهِمْ رَسُولًا كُلَّمَا جَاءَهُمْ رَسُولٌ بِمَا لَا تَهْوَىٰ أَنفُسُهُمْ

भेजा उनकी तरफ कँ रसूल. जब आया उनके पास कोँ रसूल वोह ले कर, जिसकी भ्वादिश उनके

فَرِيقًا كَذَّبُوا وَفَرِيقًا يَقْتُلُونَ ﴿۴۸﴾ وَحَسِبُوا أَنَّهُ لَأَتَّكُونَ فَتَنَةً

नफसकी नहीं, तो कुछको जुटलाया और कुछको कत्व करें (७०) और गुमान किया कि कुछ गडबड न होगी.

فَعَمُوا وَصَبُّوا ثُمَّ تَابَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ ثُمَّ عَمُوا وَصَبُّوا كَثِيرًا

हिर अन्धे हो गये और बहरे हो गये, हिर अल्लाहने उनकी तोषा कबूलकी, हिर अन्धे हो गये और बहरे हो गये भोहतेरे,

مِّنْهُمْ وَاللَّهُ بَصِيرٌ بِمَا يَعْمَلُونَ ﴿۴۹﴾ لَقَدْ كَفَرَ الَّذِينَ قَالُوا إِنَّ

और अल्लाह देखनेवाला है उनके करतूतको (७१) भेशक कुछ किया जिन्होंने कडा कि

اللَّهُ هُوَ السَّبِيحُ ابْنُ مَرْيَمَ وَقَالَ الْمَسِيحُ لِيَبْنِي إِسْرَائِيلَ

“अल्लाह मसीह ईसने मरयम ही हैं।” और मसीहने कहा कि “अब बनी इस्राएल

اعْبُدُوا اللَّهَ رَبِّي وَرَبَّكُمْ إِنَّهُ مَنْ يُشْرِكْ بِاللَّهِ فَقَدْ حَرَّمَ

पूजे अल्लाहको, मेरा परवरदिगार और तुम्हारा पालनहार।” बेशक जो शिक करे अल्लाहसे, तो बेशक हाराम कर दिया

اللَّهُ عَلَيْهِ الْجَنَّةُ وَمَأْوَاهُ النَّارُ وَمَا لِلظَّالِمِينَ مِنْ أَنْصَارٍ ﴿۶۲﴾

अल्लाहने उस पर जन्नतको, और उसका ठिकाना जहन्नम है। और जालिमोंका कोई मददगार नहीं (७२)

لَقَدْ كَفَرَ الَّذِينَ قَالُوا إِنَّ اللَّهَ ثَلَاثٌ ثَلَاثَةٌ وَمَا مِنْ إِلَهٍ

बेशक ज़रूर कुछ किया, जिन्होंने कहा कि अल्लाह तीनका तीसरा है... कोई मा'बूद नहीं

إِلَّا إِلَهُ وَاحِدٌ وَإِنْ لَمْ يَنْتَهُوا عَمَّا يَقُولُونَ لَيَمَسَّنَّ الَّذِينَ

मगर एक मा'बूद. और अगर तौबा न की अपनी इस बकवाससे, तो ज़रूर पड़ोयेगा उनमें जिन्होंने

كَفَرُوا مِنْهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۶۳﴾ أَفَلَا يَتُوبُونَ إِلَى اللَّهِ وَ

यह कुछ किया, हुष देनेवाला अजाब (७३) तो क्यों नहीं तौबा कर डालते अल्लाहसे, और

يَسْتَغْفِرُونَ وَاللَّهُ عَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿۶۴﴾ مَا الْمَسِيحُ ابْنُ مَرْيَمَ

उसकी मज़िहरत मांगते. और अल्लाह गङ्गूरहीम है. (७४) मसीह ईसने मरयम

إِلَّا رَسُولٌ قَدْ خَلَتْ مِنْ قَبْلِهِ الرُّسُلُ وَأُمُّهُ صِدِّيقَةٌ ط

रसूल ही हैं. बेशक गुजरे उनके पहले बहुतसे रसूल. और उसकी मां सिदीका हैं.

كَأَنَّا يَأْكُلِينَ الطَّعَامَ أَنْظُرْ كَيْفَ نُبَيِّنُ لَهُمُ الْآيَاتِ نَمَا أَنْظُرْ

दोनों खाना खाते थे. देखो कि हम किस तरह साफ़ बताये देते हैं उनको निशानियां, फिर देखो

أَتَى يُؤْفَكُونَ ﴿۶۵﴾ قُلْ اتَّعَبْتُ مِنْ دُونِ اللَّهِ مَا لَا يَمْلِكُ

कि वोड़ कैसे ओंधे किये जाते हैं (७५) कइो कि क्या पूजते हो अल्लाहको छोड़ कर उसे, जो न कुछ

لَكُمْ ضَرًّا وَلَا نَفْعًا وَاللَّهُ هُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ﴿۶۶﴾ قُلْ يَا أَهْلَ

बिगाड सके न बना सके ? और अल्लाह सुननेवाला धल्मवाला है (७६) कइो कि अब अहले

الْكِتَابِ لَا تَغْلُوا فِي دِينِكُمْ غَيْرَ الْحَقِّ وَلَا تَتَّبِعُوا أَهْوَاءَ

किताब ! अपने धीनमें नाइक गुलू न करो, और इस क्रोमकी प्वाइशोंकी पैरवी

قَوْمٍ قَدْ ضَلُّوا مِنْ قَبْلُ وَأَضَلُّوا كَثِيرًا وَضَلُّوا عَنْ سَوَاءِ

ن करो, जो भुद पहलेसे गुमराह हो गये, और बहोतोंको गुमराह कर डाला, और सीधी राहसे

السَّبِيلِ ۷۷ لَعْنَةُ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ بَنِي إِسْرَائِيلَ عَلَى لِسَانِ

बाहक गये (७७) ला'नत लेख गई उन पर जिन्होंने कुड़ किया औलादे ईस्राईलसे, जमान पर

دَاوُدَ وَعِيسَى ابْنِ مَرْيَمَ ذَلِكَ بِمَا عَصَوْا وَكَانُوا يَعْتَدُونَ ۷۸

दावूद व ईसा ईसने मरयमके. यह क्यूंकि गुनाह कर युके थे और सरकशी करते थे (७८)

كَانُوا لَا يَتَنَاهَوْنَ عَنْ مُنْكَرٍ فَعَلُوهُ لَبِئْسَ مَا كَانُوا يَفْعَلُونَ ۷۹

किसीको मना नहीं करते थे जो कर गुजरते कोई बुराई, बेशक बुरा था जो वोह करते थे (७९)

تَرَى كَثِيرًا مِنْهُمْ يَتَوَكَّلُونَ الَّذِينَ كَفَرُوا لَبِئْسَ مَا قَدَّمَتْ

उनके बाहतेरोंको देभोगे कि दोस्ती करते हैं उनसे जो काफिर हो युके. बेशक बुरा है जो पहले कर युके

لَهُمْ أَنفُسُهُمْ أَنْ سَخِطَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ وَفِي الْعَذَابِ لَهُمْ خُلْدٌ ۸۰

उनके नफ्स, यह कि गजब इरमाया अल्लाहने उन पर, और अजाबमें वोह हमेशा रहनेवाले हैं (८०)

وَلَوْ كَانُوا يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ مَا آتَيْنَاهُم مِمَّا يَتَّخِذُونَ

और अगर मान जाते अल्लाहको, और नबी ईस्लामको, और जो नाजिल किया गया उसकी तरफ, तो न बनाते उनको

أَوْلِيَاءَ وَلَكِنْ كَثِيرًا مِنْهُمْ فَسِقُونَ ۸۱ لَتَجِدَنَّ أَشَدَّ النَّاسِ

दोस्त, लेकिन उनकी अकपरियत ना इरमान है (८१) जरूर पाओगे सबसे बढ कर

عَدَاوَةً لِلَّذِينَ آمَنُوا لِيَهُودَ وَالَّذِينَ أَشْرَكُوا وَلَتَجِدَنَّ

इश्मन मुसलमानोंका, यहूदियोंको और मुशिरकोंको. और जरूर पाओगे

أَقْرَبَهُمْ مَوَدَّةً لِلَّذِينَ آمَنُوا الَّذِينَ قَالُوا إِنَّا نَصْرِي

सबसे ज़्यादा नजदीक दोस्तीमें मुसलमानोंके, जिन्होंने कहा कि हम नसरानी हैं.

ذَلِكَ بِأَنَّ مِنْهُمْ قِسِيَسِينَ وَرُهَبَانًا وَأَنَّهُمْ

यह इस लिये कि इनमें भा'ज ईसम दोस्त, और दरवेश मन्श हैं, और वोह

لَا يَسْتَكْبِرُونَ ۸۲

गुजर नहीं करते (८२)